

20/4/2017

पत्रावली पुस्तक प्रामाण्य एवं इनके  
 कृत्रिमता एवं सत्य प्रामाण्य  
 अनुभवित। कभी ल विपत्ती प्रतीत  
 प्रामाण्य एवं इनके कृत्रिमता का  
 कर्तव्य जाणना ईद लार्ब प्रद  
 पान्तु इच्छित नही अतः प्रामाण्य  
 व्या प्रामाण्य अदम इज्जती इदम  
 आदम में स्वीकृत किया जान  
 है पत्रावली फेबल सुन्दर वष  
 नम्बर ल काम घ

०  
 /

